

| तारीख हुक्म | हुक्म या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज  | नम्बर<br>अहक<br>हुक्म<br>में |
|-------------|--|------------------------------|
|             | पेशा करने पर जारी हो। पत्रावली वास्तु तन्त्र<br>प्रतिवादी एच। आ। ए तथा पेशा देने जबाब<br>दावा प्रतिवादी एच। आ। ए हेतु मिशन डिक्री 22-8-16<br>को पेश हो।  |                              |
| 22-8-16     | वसुधाय इण्डिया लॉफिस आदेशों की<br>पामना में मिशन डिक्री 28-11-16 को पेश हो।  |                              |
| 28-11-17    | वसुधाय इण्डिया लॉफिस की अपील<br>डिक्री जारी पद भी वास्तु तन्त्र प्रतिवादी<br>एच। आ। ए का पेशा नहीं किया गया -<br>अन्तिम अपील डिक्री जारी है आदेशों में<br>पद पेश हो मिशन डिक्री पेशा देने<br>पामना तन्त्र, 17/11/17 को पेश करने का<br>प्रतिवादी एच। आ। ए हेतु मिशन डिक्री 17-11-17<br>को पेश हो। |                              |
| 17-11-17    | पत्रावली पेशा हुई। वसुधाय सप,<br>अनुपस्थित / पीठासीन अधिकारी<br>द्वारा पेश अन्य कार्य में कार्य।<br>पत्रावली में अ... का पेश हो<br>दिनांक 7-3-17 को पेश हो   |                              |
| 7-3-17      | पत्रावली पेशा हुई। वसुधाय सप,<br>अनुपस्थित / पीठासीन अधिकारी<br>द्वारा पेश अन्य कार्य में कार्य।<br>पत्रावली में अ... का पेश हो<br>दिनांक 25-5-17 को पेश हो  |                              |

इकजाही पेशी देने पर पत्रावली आज पेश हुई।

अनुपस्थित/ पीठसभ अधिकारी

द्वारा पेश/ अन्य कार्य में व्यस्त।

पत्रावली पूरा आदेशानुसार आइन्दा  
दिनांक २०-१-१८ को पेश हो।

इकजाही पेशी देने पर पत्रावली आज पेश हुई।

अनुपस्थित/ पीठसभ अधिकारी

द्वारा पेश/ अन्य कार्य में व्यस्त।

पत्रावली पूरा आदेशानुसार आइन्दा  
दिनांक २०-१-१८ को पेश हो।

पत्रावली पेश हुई। वकूलाय सप.

अनुपस्थित/ पीठसभ अधिकारी

द्वारा पेश/ अन्य कार्य में व्यस्त।

पत्रावली पूरा आदेशानुसार आइन्दा

दिनांक २५-१२-१७ को पेश हो

026 <sup>12</sup>/<sub>17</sub> रिजलत पत्रावली का अहकाम जारी होना

पत्रावली पेश हुई। वकूलाय सप.

अनुपस्थित/ पीठसभ अधिकारी

द्वारा पेश/ अन्य कार्य में व्यस्त।

पत्रावली पूरा आदेशानुसार आइन्दा

दिनांक २०-३-१८ को पेश हो

18 <sup>07</sup>/<sub>18</sub> इकजाही पेशीयों से पत्रावली आज पेश हुई। उक्त में बार-बार आवाज लगवाई गई। वकूलाय उभयपक्षा अन्वय पत्रावली में से कोई भी खतिर उमालत नहीं आया। अतः उक्त अदम खिरी खं अदम पेशी में खरीज किया जाता है। पत्रावली फेसल सुभार होकर नम्बर से कम है तथा बाद तलमीत दाखिल दाखल है। निर्णय उक्त न्यायालय में सुनाया गया।